डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय और द खादी इंस्टीट्यूशन ,आशानुरुप लोक सेवा संस्थान ,पटना के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आज दिनांक 03/02/2021 को डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय और खादी ग्रामोद्योग संस्थान से जुड़े हुए द खादी इंस्टीटूशन ,आशानुरुप लोक सेवा संस्थान ,पटना के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। विश्वविद्यालय के प्रोडक्ट अब अमेरिका, फ्रांस, इडोनेशिया, हंगरी, समेत देश के सभी खादी ग्रामोद्योग केंद्रों के माध्यम से बेचे जायेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति डा रमेश चन्द्र श्रीवास्तव एवं खादी इंस्टीटूशन की ओर से सी इ ओ श्री निर्मलेंदु वर्मा एवं चेयरपर्सन सुश्री कैप्टन कुमारी अंजू रानी की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा पी पी श्रीवास्तव, निदेशक अनुसंधान डा एन के सिंह, नियंत्रक एवं डीन डा के एम सिंह,स्टार्ट अप फेसिलिटेशन के निदेशक डा मृत्यूंजय कुमार भी उपस्थित थे।

समझौते के बाद बोलते हुये कुलपति डा श्रीवास्तव ने कहा कि यह समझौता उनके सपनों के सच होने की ओर एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य और देश के नौजवानों को कृषि एवं कृषि से संबंधित क्षेत्र में एक डिसेंट रोजगार उपलब्ध करवा सकें तथा कृषि अवशेषों का भी समुचित प्रबंधन कर सकें। इसी को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय अरहर के डंठल से अगरबत्ती,कटलरी, चम्मच प्लेट, अरहर के मोटे तने से फर्नीचर, तथा मंडी में बेकार सब्जियों से हर्बल गुलाल बना रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के की युवा विश्वविद्यालय से जुड़कर स्टार्ट अप शुरु कर रहे हैं। खादी ग्रामोद्योग से समझौते के बाद विश्वविद्यालय के प्रोडक्ट को राष्ट्रीय औरअंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार मिलेगा।

डा श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय केले के थम्ब से सजावटी सामान, मधु, तथा मशरूम के विभिन्न उत्पाद भी बना रहा है।इसके साथ ही मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढाये गये फूल बेलपत्र से जैविक खाद बनाया जा रहा है। ये सभी उत्पाद खादी ग्रामोद्योग के विभिन्न केंद्र पर देश और विदेश में बेचे जायेंगे। खादी इंस्टीटूशन की चेयरपर्सन कैप्टन अंजू ने कुलपति डा श्रीवास्तव की तारीफ करते हुये कहा कि विश्व विद्यालय के प्रोडक्ट अंतराष्ट्रीय स्तर के हैं और दाम भी तुलनात्मक रूप से कम है इसीलिए खादी ग्रामोद्योग ने विश्व विद्यालय के सभी प्रोडक्ट को अंतराष्ट्रीय स्तर पर बेचने का फैसला किया है । खादी इंस्टीटूशन के सीइओ निर्मलेंदु वर्मा ने कहा कि खादी बोर्ड विश्व विद्यालय के उत्पादों को देखकर काफी प्रभावित है। उन्होंने कहा कि कुलपति डा श्रीवास्तव की सोच काफी अच्छी है और उन्हें विश्वास है कि विश्व विद्यालय के उत्पाद खादी ग्रामोद्योग का व्यापार बढाने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि विश्व विद्यालय के प्रोडक्ट सभी अंतराष्ट्रीय केंद्रों के माध्यम से बेचे जायेंगे। उन्होंने अरहर के डंठल से बने कटलरी को देखकर कहा कि ये प्रोडक्ट भविष्य में घर घर इस्तेमाल होने लगेगा और जल्दी ही रेलवे तथा हवाई जहाज में इसका उपयोग किया जायेगा। श्री वर्मा ने कहा कि विश्व विद्यालय से जुड़े नौजवानों को खादी ग्रामोद्योग पच्चीस लाख रूपये का सस्ते दर पर लोन उपलब्ध करवायेगा जिसमें पच्चीस प्रतिशत सब्सिडी भी मिलेगा। इसके अतिरिक्त पचहत्तर लाख का टाप अप लोन भी व्यवसाय बढाने के लिये दिया जायेगा। टाप अप लोन में भी पंद्रह प्रतिशत की सब्सिडी दी जायेगी। कुलसचिव डा पी पी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व विद्यालय डा रमेश चन्द्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। निदेशक अनुसंधान डा एन के सिंह ने कहा कि कुलपति के सोच को हम सबको धरातल पर उतारना है और इसके लिये हम सब टीम भावना से काम कर रहे हैं।

स्टार्ट अप फेसिलिटेशन केंद्र के निदेशक डा मृत्यूंजय कुमार ने समझौते के लिये खादी इंस्टीटूशन को धन्यवाद दिया और कहा कि कुलपति डा श्रीवास्तव के नेतृत्व में विश्व विद्यालय नौजवानों को रोजगार के नये संसाधन उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि जब युवाओं को अच्छा रोजगार मिलता है तो उन्हें काफी खुशी होती है। समारोह के दौरान विश्व विद्यालय से जुड़े युवा उद्यमियों के अतिरिक्त डा शिवेंद्र कुमार, डा नागेंद्र, डा संगीता, डा कुमार राज्यवर्धन ,श्री स्नेह संसार समेत विभिन्न वैज्ञानिक एवं पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

---------- धन्यवाद----------